International Journal of Contemporary Research In Multidisciplinary

Research Article

उच्च शिक्षा के विकास में मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित शासकीय योजनाओं का शिक्षा पर प्रभाव

डॉ. शैलबाला गांधी

सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र, कस्तूरबा ग्राम रुरल इंस्टिट्यूट, कस्तूरबाग्राम ग्राम इंदौर, मध्य प्रदेश, भारत

Corresponding Author: * डॉ. शैलबाला गांधी

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.21455131

Abstract

उच्च शिक्षा किसी भी समाज के सामाजिक एवं आर्थिक विकास का आधार है। ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित करने के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की मेधावी छात्राओं को आर्थिक सहायता प्रदान कर उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना है। प्रस्तुत अध्ययन में कस्तूरबा ग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, इंदौर की 50 छात्राओं का चयन कर इस योजना के प्रति उनकी जागरूकता, उपयोगिता तथा शैक्षणिक प्रभाव का अध्ययन किया गया। अध्ययन में साक्षात्कार अनुसूची एवं निदर्शन पद्धति का उपयोग किया गया। परिणामों से ज्ञात हुआ कि अधिकांश छात्राएँ योजना के प्रति जागरूक हैं तथा इसे उच्च शिक्षा और बालिका शिक्षा के विकास हेतु अत्यंत उपयोगी मानती हैं।

Manuscript Information

- **ISSN No:** 2583-7397
- **Received:** 13-06-2026
- **Accepted:** 15-07-2026
- **Published:** 20-07-2026
- **IJCRM:**5(4); 2026: 378-383
- **©2026, All Rights Reserved**
- **Plagiarism Checked:** Yes
- **Peer Review Process:** Yes

How to Cite this Article

गांधी शै. उच्च शिक्षा के विकास में मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित शासकीय योजनाओं का शिक्षा पर प्रभाव. Int J Contemp Res Multidiscip. 2026;5(4):378-383.

Access this Article Online

www.multiarticlesjournal.com

मुख्य शब्द: उच्च शिक्षा, छात्रवृत्ति, बालिका शिक्षा, मध्यप्रदेश शासन।

© 2026 डॉ. शैलबाला गांधी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

1. प्रस्तावना

छात्राएं हमारे देश का भविष्य होती हैं। और वह शिक्षित होंगी, तो हमारा देश विकासशील देशों की श्रेणी में आएगा। इस प्रकार सरकार द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति एक ऐसी सशक्त योजना है, जिसके द्वारा गाँव की छात्राएँ छात्रवृत्ति के प्रति जागरूक हो रही हैं, वह अपने शिक्षा के स्तर में वृद्धि कर रही हैं।

छात्राओं में छात्रवृत्ति के प्रति जागरूकता व शैक्षणिक स्तर का अध्ययन करने के लिए हमारे द्वारा कस्तूरबा ग्राम रूरल इंस्टिट्यूट में एक परियोजना कार्य किया गया। जिसमें मेरे द्वारा साक्षात्कार अनुसूची विधि का प्रयोग किया गया।

छात्रवृत्ति हेतु शासकीय योजना मध्य प्रदेश की सरकार के द्वारा चलाई जा रही है। जिसमें गाँव की प्रतिभाशाली बालिकाओं को उच्च शिक्षा की ओर प्रोत्साहित करने के लिए छात्रवृत्ति के रूप में आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना में 12वीं तक की पढ़ाई ग्रामीण क्षेत्रों में रहकर की गई बालिका को दी जाती है इस योजना का लाभ सभी जाति की छात्राएं ले सकती है।

उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित शासकीय योजनाएं

क्रमांक	योजना का नाम
1	मेधावी योजना
2	गांव की बेटी योजना
3	जन कल्याण योजना
4	पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति
5	प्रतिभा किरण योजना
6	समग्र शिक्षा अभियान
7	राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अभियान (RUSA)
8	उन्नत भारत अभियान
9	प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना
10	शोधार्थी छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजना

2. विषय चयन का कारण

अध्ययन के चयन के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं -

1. ग्रामीण छात्राओं में योजना के प्रति जागरूकता का आकलन करना।
2. उच्च शिक्षा में छात्रवृत्ति योजनाओं की भूमिका का अध्ययन करना।
3. आर्थिक रूप से कमजोर किन्तु मेधावी छात्राओं को मिलने वाले लाभों का विश्लेषण करना।
4. योजना के शैक्षणिक एवं सामाजिक प्रभावों का मूल्यांकन करना।

3. अध्ययन के उद्देश्य

1. उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के प्रभाव का मूल्यांकन करना।
2. छात्राओं के शैक्षणिक जीवन में छात्रवृत्ति की भूमिका का अध्ययन करना।
3. योजना की पात्रता एवं उपयोगिता के संबंध में जानकारी प्राप्त करना।
4. ग्रामीण क्षेत्रों में बालिका शिक्षा के प्रोत्साहन में योजना की भूमिका का अध्ययन करना।

4. सेम्पल चयन की विधि

निर्देशन विधि -

निर्देशन के अंतर्गत समग्र में से किसी आधार पर कुछ प्रतिनिधि इकाइयां चुन ली जाती है और उन चुनी हुई इकाइयों के अध्ययन से निष्कर्ष निकाले जाते हैं, अर्थात जिसके अंतर्गत संबंधित सामग्री की प्रत्येक इकाई का अध्ययन ना करके केवल प्रतिदर्श में चयनित इकाइयों का ही अध्ययन करके समग्र के बारे में अनुमान लगाया जाता है। उसे निदर्शन विधि कहते हैं।

निर्देशन का तरीका

लॉटरी विधि - इस विधि के अंतर्गत समग्र की समस्त इकाइयों को अलग-अलग कागज के टुकड़ों कार्यों पर लिखकर किसी बर्तन आदि में रखकर मिला दिया जाता है जितनी इकाइयां निर्देशन में लेनी है उतनी निकाल ली जाती है इस प्रकार जो भी इकाइयां दैव योग से निकलती है उनका अध्ययन किया जाता है।

4.1 अध्ययन क्षेत्र - कस्तूरबा ग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, इंदौर।
4.2 अध्ययन इकाई - महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राएँ।
4.3 निदर्शन - अध्ययन हेतु शासकीय योजना से संबंधित 50 छात्राओं का चयन किया गया।
4.4 निदर्शन पद्धति - लॉटरी विधि के माध्यम से यादृच्छिक निदर्शन का चयन किया गया।
4.5 तथ्य संकलन के स्रोत -

- प्राथमिक स्रोत - साक्षात्कार अनुसूची
- द्वितीयक स्रोत - सरकारी दस्तावेज, रिपोर्ट एवं इंटरनेट स्रोत

5. आंकड़े एकत्रित करने की विधिया

1. साक्षात्कार -

समाजशास्त्री दृष्टिकोण से साक्षात्कार एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें साक्षात्कारकर्ता एवं सूचनादाता के मध्य किसी विशिष्ट उद्देश्य को लेकर आमने-सामने की स्थिति में वार्तालाप या उत्तर प्रत्युत्तर होता है। यह एक मनोवैज्ञानिक स्थित है, जिसमें साक्षात्कारकर्ता एवं सूचनादाता एक दूसरे के निकट आते हैं एवं स्वयं विचार-विमर्श करते हैं। साक्षात्कार का उद्देश्य व्यक्ति के विचारों, मूल्य, भावनाओं, अतीत के अनुभवों तथा भविष्य के इरादों को ज्ञात करना है। साक्षात्कार लोगों के बारे में हमारे ज्ञान एवं अनुभव में वृद्धि करता है तथा अन्य प्रविधियां द्वारा संकलित सामग्री के सत्यापन एवं नियंत्रण में सहायता करता है।

2. अनुसूची

अनुसूची प्रश्नों की एक लिखित सूची है जिसे अनुसंधानकर्ता अपने अध्ययन विषय की प्रकृति एवं उद्देश्य को ध्यान में रखकर तैयार करता है जिससे कि उन प्रश्नों का उत्तर संबंधित व्यक्तियों से मालूम किया जा सके एवं इस प्रकार आवश्यक सूचना एकत्रित करने की प्रक्रिया को एक व्यवस्थित रूप मिल सके। इसके लिए अनुसंधानकर्ता को स्वयं उत्तरदाता के पास जाना पड़ता है। एवं विभिन्न प्रश्नों को पूछकर स्वयं ही उनके उत्तरों को आलेखन करना पड़ता है। इस तरह यह पता चलता है की अनुसूची साक्षात्कार का एक सरल माध्यम है।

© 2026 डॉ. शैलबाला गांधी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

3. निदर्शन
सामान्य अर्थ में समग्र में से चयन की गई इकाइयां जो समग्र का प्रतिनिधित्व करती हो निर्देशन कहलाता है दैनिक जीवन में भी निर्देशन का उपयोग हमेशा होता रहता है गांव नगर एवं अन्य जगहों पर भी निर्देशन का प्रयोग हमेशा होता है शिक्षित एवं अशिक्षित हर व्यक्ति इसका प्रयोग करता है बाजार में चावल गेहूं दाल एवं अन्य कोई भी वस्तु खरीदने के वक्त उनमें से थोड़ी सी वस्तु को लेकर देखने पर समस्त वस्तु को एक जैसा मन कर खरीद लिया जाता है। यहां जो थोड़ी सी वस्तु होती है वह समस्त का प्रतिनिधित्व करती है अर्थात निर्देशन होती है।

6. उपकरण
परियोजना कार्य के लिए मेरे द्वारा साक्षात्कार अनुसूची के द्वारा आंकड़े का एकत्रिकरण किया गया जिसमें प्रत्यक्ष रूप से मेरे द्वारा अनुसूची वितरित कर उत्तरदाता द्वारा अनुसूची को पूर्ण रूप से भरवारा गया।

7. विश्लेषण
उच्च शिक्षा के विकास में मध्य प्रदेश शासन के द्वारा संचालित शासकीय योजना का प्रभाव अध्ययन किया गया। जिसमें निर्देशन के रूप में 50 छात्राओं को चुना गया। छात्रवृत्ति योजनाओं से संबंधित प्रश्नों को चिन्हित कर साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर तथ्यों का विश्लेषण किया गया जो इस प्रकार है –

तालिका:1 शासकीय योजना के प्रति जागरूकता संबंधित मत

क्रमांक	योजना के प्रति जानकारी	उत्तरदाता की संख्या	प्रतिशत
1	हाँ	43	86%
2	नहीं	7	14%
योग		**50**	**100%**

उपयुक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि, 86% छात्राएं शासकीय योजना के प्रति जानकारी रखती है, परंतु 14% ऐसी छात्राएं हैं जिनकों इस योजना के बारे में जानकारी नहीं है।

तालिका 2 :छात्राओं में शासकीय योजना का लाभ लेने संबंधी मत

क्रमांक	योजना का लाभ	उत्तरदाता की संख्या	प्रतिशत
1	हाँ	39	78%
2	नहीं	11	22%
योग		**50**	**100%**

उपयुक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि, 78% छात्राओं को शायकीय योजनाओं का लाभ मिल रहा है परंतु 22% ऐसी भी छात्राएं हैं जिनको इस योजना का लाभ नहीं मिल रहा है।

तालिका 3 : क्या छात्राओं के शैक्षणिक स्तर में वृद्धि का कारण छात्रवृत्ति का योगदान है

क्रमांक	छात्रवृत्ति का योगदान	उत्तरदाता की संख्या	प्रतिशत
1	हाँ	31	62%
2	नहीं	19	38%
योग		**50**	**100%**

उपयुक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि छात्राओं के शैक्षणिक स्तर में वृद्धि का कारण में छात्रवृत्ति का योगदान 62% है, पंरतु ऐसी 38% छात्राएं भी हैं जिनकी शैक्षणिक स्तर में छात्रवृत्ति का योगदान नहीं है।

तालिका 4 : शासकीय की पात्रता संबंधित जानकारी है

क्रमांक	पात्रता संबंधी जानकारी	उत्तरदाता की संख्या	प्रतिशत
1	हाँ	40	80%
2	नहीं	10	20%
योग		**50**	**100%**

उपयुक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि 80% ऐसी छात्राएं है जो शासकीय योजना की पात्रता रखती है परंतु 20% ऐसी छात्राएं भी हैं जो इस योजना की पात्रता नहीं रखती है।

© 2026 डॉ. शैलबाला गांधी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

तालिका 5 : शासकीय योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन मिला है

क्रमांक	प्रोत्साहन मिला है	उत्तरदाता की संख्या	प्रतिशत
1	हाँ	50	100%
2	नहीं	0	0%
योग		**50**	**100%**

उपयुक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि शासकीय योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन मिला है, और इस पर संपूर्ण रूप से सहमति प्रदान की गई है। छात्राओं द्वारा जिसका प्रतिशत 100% है।

तालिका 6 : शासकीय योजना से छात्राओं के पारिवारिक जीवन में शिक्षा के दृष्टिकोण में बदलाव संबंधित मत

क्रमांक	शिक्षा के दृष्टिकोण में बदलाव	उत्तरदाता की संख्या	प्रतिशत
1	हाँ	46	92%
2	नहीं	4	8%
योग		**50**	**100%**

उपयुक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि शासकीय योजना के प्रभाव से छात्राओं के पारिवारिक जीवन में शिक्षा के दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव आया है। जिसका प्रतिशत 92% परंतु ऐसी छात्राएं भी हैं, जिनके पारिवारिक जीवन में इस योजना का प्रभाव नहीं है जिसका प्रतिशत 8% है।

तालिका 7: वर्तमान समय में गांव की बेटी योजना की उपयोगिता संबंधित मत

क्रमांक	योजना की उपयोगिता	उत्तरदाता की संख्या	प्रतिशत
1	हाँ	49	98%
2	नहीं	1	2%
योग		**50**	**100%**

उपयुक्त तालिका से स्पष्ट होता है कि वर्तमान समय में गांव की बेटी योजना की उपयोगिता है या नही, जिसमें सहमति का प्रतिशत 98% है और असहमत छात्राओं की संख्या 02% है।

तालिका 8: शासकीय योजना छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण है या नही संबंधित मत

क्रमांक	योजना की महत्वपूर्णता	उत्तरदाता की संख्या	प्रतिशत
1	हाँ	50	100%
2	नहीं	0	0%
योग		**50**	**100%**

उपयुक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि शायकीय योजना छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण है। जिसको छात्राओं ने पूर्ण रूप से सहमत बताया है, जिसका प्रतिशत 100% है।

9. परिणाम

1. शासकीय योजना के प्रति छात्राए जागरूक है एवं छात्राएं योजना का लाभ प्राप्त करना चाहती है।
2. महविद्यालय में उच्च शिक्षा द्वारा चनाई जा रही योजनाएं महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राएं निम्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर रही है –

क्रमांक	योजना का नाम
1	मेधावी योजना
2	गांव की बेटी योजना
3	जन कल्याण योजना
4	पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना
5	प्रतिभा किरण योजना

3. छात्राए शैक्षणिक जीवन में उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती है साथ ही वे अपने शिक्षा स्तर को उच्च स्थिति देने में छात्रवृत्ति को महत्वपूर्ण मानती है।

4. गांव की बेटी योजना की पात्रता
- 12 वी कक्षा में 60% हो।
- छात्रा गांव में निवास करती हो।
- मध्यप्रदेश की स्थाई निवासी हो।

10. निष्कर्ष

उच्च शिक्षा के विकास में मध्य प्रदेश शासन के द्वारा संचालित शासकीय योजना का प्रभाव एवं छात्राओं में जागरूकता का अध्ययन किया गया जिसमें छात्राओं को शासकीय योजना के बारे में जानकारी दी गई जिसमें यहां जानकारी प्राप्त हुई है कि, शासकीय योजना की प्रति जागरूकता का प्रतिशत 86% प्रतिशत अर्थात छात्राओं को इस योजना के बारे में जानकारी थी। छात्राओं द्वारा इसका 78% लाभ लिया जा रहा है। साथ ही शैक्षणिक स्तर में छात्रों को छात्रवृत्ति का

© 2026 डॉ. शैलबाला गांधी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

योगदान 62% प्रतिशत है वही योजना से शैक्षणिक स्तर में भी वृद्धि हुई है जिसका प्रतिशत 96% है इस प्रयोजन से ग्रामीण क्षेत्रों में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन भी मिला है जिसका प्रतिशत सर्वाधिक 100% है योजना के छात्रों के पारिवारिक जीवन में शिक्षा की दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव संभावित हुआ है जिसका प्रतिशत 92% है वर्तमान समय में शासकीय योजना को एक विशेष योजना बताया गया है जिसका प्रतिशत 98% है।

11. उपयोगिता

मेरे द्वारा उच्च शिक्षा के विकास में मध्य प्रदेश शासन के द्वारा संचालित शासकीय योजना का प्रभाव का अध्ययन किया गया और यहां अध्ययन करने पर यह विषय उपयोगी सिद्ध हुआ है जिसमें निम्नलिखित बिंदु भी सम्मिलित है -

1. छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में उपयोगी।
2. छात्राओं को शिक्षा प्राप्त करने की और प्रोत्साहित करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने में उपयोगी।
3. छात्रों को 12वीं की पढ़ाई के बाद आगे की पढ़ाई कॉलेज के लिए आर्थिक सहायता प्राप्त करने में उपयोगी।
4. ग्रामीण छात्रों के शैक्षणिक स्तर में वृद्धि का कारण भी छात्रवृत्ति का योगदान है।
5. इस योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली छात्रों को प्रोत्साहन मिला है।
6. वर्तमान समय में गांव की बेटी योजना सर्वाधिक उपयोगी मानी गई है।

12. सुझाव

- योजना के संबंध में ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।
- छात्रवृत्ति राशि में समयानुसार वृद्धि की जाए।
- आवेदन प्रक्रिया को और अधिक सरल एवं पारदर्शी बनाया जाए।
- पात्र छात्राओं को समय पर छात्रवृत्ति उपलब्ध कराई जाए।
- विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ।

संदर्भ सूची

1. मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग. गाँव की बेटी योजना दिशा-निर्देश. भोपाल: उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन.
2. मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग. वार्षिक रिपोर्ट. भोपाल: उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन.
3. कस्तूरबा ग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, इंदौर. छात्रवृत्ति अनुभाग से प्राप्त जानकारी. इंदौर: कस्तूरबा ग्राम रूरल इंस्टीट्यूट.
4. मध्यप्रदेश राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल. मध्यप्रदेश शासन. उपलब्ध: राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल.
5. शर्मा आर. भारत में उच्च शिक्षा एवं छात्रवृत्ति योजनाएँ. नई दिल्ली: रावत पब्लिकेशन; 2021.
6. सिंह वी. ग्रामीण बालिका शिक्षा में सरकारी योजनाओं की भूमिका. शोध सरिता. 2022;9(3):45-52.
7. वर्मा एस, चौधरी एम. उच्च शिक्षा में छात्रवृत्ति योजनाओं का प्रभाव. विद्यावार्ता. 2023;6(2):112-118.

Creative Commons (CC) License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution–Non-Commercial–No Derivatives 4.0 International (CC BY-NC-ND 4.0) license. This license permits sharing and redistribution of the article in any medium or format for non-commercial purposes only, provided that appropriate credit is given to the original author(s) and source. No modifications, adaptations, or derivative works are permitted under this license.

About the Author

डॉ. शैलबाला गांधी समाजशास्त्र विषय की सहायक प्राध्यापक हैं और कस्तूरबा ग्राम रूरल इंस्टिट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर, मध्य प्रदेश में कार्यरत हैं। उनकी शिक्षण एवं शोध रुचि ग्रामीण समाज, महिला अध्ययन, सामाजिक परिवर्तन, सामुदायिक विकास तथा उच्च शिक्षा से संबंधित समकालीन सामाजिक मुद्दों पर केंद्रित है।

© 2026 डॉ. शैलबाला गांधी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबा ग्राम, इंदौर

परियोजना शीर्षक
उच्च शिक्षा के विकास में मध्य प्रदेश शासन द्वारा संचालित शासकीय योजनाओं का प्रभाव

साक्षात्कार अनुसूची
शोधकर्ता -
1) सामान्य जानकारी
नाम - -----------------
उम्र - -----------------
कक्षा - -----------------
जाति - -----------------
दिनांक - -----------------
2) क्या आपके शैक्षणिक स्तर में छात्रवृत्ति का योगदान है?
हाँ नहीं
4) क्या आप छात्रवृत्ति योजनाओं के बारे में जानते हैं?
हाँ नहीं
5) क्या आप कोई छात्रवृत्ति योजना का लाभ ले रहे हैं?
हाँ नहीं
6) क्या आपने शासकीय योजना का लाभ लिया है?
हाँ नहीं
7) क्या आपको इस योजना की पात्रता मालूम है?
हाँ नहीं
8) यह योजना का लाभ कहाँ निवास करने वाली विद्यार्थी को दिया जाता है?
शहर ग्रामीण
9) छात्रवृत्ति हेतु शासकीय योजना कब लागू हुई?
2005 2006 2008
10) वर्तमान समय में आप शासन की छात्रवृत्ति योजना को उपयोगी मानते हैं?
हाँ नहीं
11) क्या इन योजनाओं से शैक्षणिक स्तरों में वृद्धि हुई है?
हाँ नहीं
12) क्या आपको पता है, शासकीय योजना में प्रोत्साहन राशि कितनी दी जाती है?
हाँ नहीं
13) शासकीय छात्रवृत्ति योजना को प्राप्त करने के लिए 12वीं में कितने प्रतिशत होना अपेक्षित है?
60% 70%
14) शासकीय छात्रवृत्ति योजना से ग्रामीण क्षेत्रों में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन मिला है?
हाँ नहीं
15) शासकीय छात्रवृत्ति योजना से आपके पारिवारिक जीवन में शिक्षा के दृष्टिकोण में बदलाव हुआ है?
हाँ नहीं
16) क्या आपको पता है कि शासकीय छात्रवृत्ति योजना विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए दी जाती है?
हाँ नहीं
17) शासकीय छात्रवृत्ति योजना का फॉर्म कैसे भरा जाता है?
ऑनलाइन ऑफलाइन दोनों
18) शासकीय छात्रवृत्ति योजना केंद्र सरकार की है या राज्य सरकार की, क्या आपको पता है?
हाँ नहीं
19) शासकीय छात्रवृत्ति योजना विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है?
हाँ नहीं

© 2026 डॉ. शैलबाला गांधी. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/